# 2019

## Part–III

## HINDI

## (Honours)

### PAPER—VI

*Full Marks* : 90

*Time* : 4 Hours

*The figures in the right-hand margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×15

(क) रूपक तत्वों के आधार पर 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए।

(ख) "पन्तजी ने काव्य में प्रकृति के विविध रूपों का चित्रण किया है" -- इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ग) *'चांद का मुँह टेढ़ा' कविता* की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

(घ) पठित कविताओं के आधार पर धूमिल की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) त्रिलोचन की कविता 'युग की पुकार' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×8

(क) मैथिलीशरण गुप्त की नारी संवेदना पर विचार कीजिए।

(ख) निराला की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' कविता के काव्य-सौष्ठव पर विचार कीजिए।

(घ) 'बना दे चितेरे' कविता का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) प्रसाद की नारी-दृष्टि पर विचार कीजिए।

(च) नागार्जुन की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

(छ) 'संसद से सड़क तक' कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

(ज) 'दुख और गान' कविता के माध्यम से कवि क्या संप्रेषित करना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

**3.** निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* का सप्रसंग व्याख्या लिखिए : 5×4

(क) जाओ नाथ, अमृत लाओ तुम, मुझ में मेरा पानी,
चेरी ही मैं बहुत तुम्हारी, मुक्ति तुम्हारी रानी।
प्रिय तुम तपों, सहूँ मैं भरसक, देखूँ बस हे दानी!
कहाँ तुम्हारी गुणगाथा मैं मेरी करुण कहानी?
तुम्हें अप्सरा-विघ्न न व्यापे यशोधरा करधारी!

(ख) देवों की विजय, दानवों की हारों का होता युद्ध रहा,
संघर्ष सदा उर-अंतर में जीवित रह नित्य-विरुद्ध रहा।
आँसू से भीगे अंचल पर मन का सब कुछ रसना होगा-
तुमको अपनी स्मित रेखा से यह संधिपत्र लिखना होगा।

(ग) करना होगा यह तिमिर पार,
देखना सत्य का मिहिर द्वार।
बहना जीवन के प्रखर ज्वार में निश्चय,
लड़ना विरोध में द्वन्द्व समर,
रह सत्व मार्ग पर स्थिर निर्भर।
जाना भिन्न की देह, निज घर निःसंशय।

(घ) दाने आये घर के अन्दर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर-भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलायी आँखें कई दिनों के बाद।

(ङ) नगर के बीचो-बीच
आधी रात-अँधेरे की काली-स्याह
शिलाओं से बनी हुई
भीतों और अहातों के, काँच-टुकड़े जमे हुए
ऊँचे-ऊँचे कन्धों पर
चाँदनी की फैली हुई सँवलायी झालरें।

(च) अहे निष्ठुर परिवर्तन
तुम्हारा ही ताण्डव नर्तन!
विश्व का करूणा विवर्तन!
तुम्हारा ही नयनोन्मीलन,
निखिल उत्थान-पतन!
अहे वासुकि सहस्य फन!

(छ) हुआ उपद्रव हो गया बिलकुल और बिहार
अब दिल्ली किस कष्ठ में पहनाएगी हार
पहनाएगी हार गर्व से इतराएगी
अथवा कुष्ठा ही कुष्ठा में पितराएगी
संघर्षों के चलते देखो क्या है सम्भव
अभी क्या कहा जाए इस तरह हुआ उपद्रव।

(ज) जनतंत्र
जिसकी रोज सैकड़ों बार
हत्या होती है और हर बार
वह भेड़ियों की जुबान पर जिंदा है।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *आठ* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8×1

(क) लज्जा सर्ग के अनुसार नारी हृदय की स्वतंत्रता का अपहरण कौन कर लेता है?

(ख) पंत को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया ?

(ग) 'जुही की कली' किस कवि की रचना है?

(घ) धूमिल का पूरा नाम लिखिए।

(ङ) 'चाँद का मुह टेढ़ा है' कविता संग्रह में कुल कितनी कविताएँ संगृहीत हैं?

(च) 'ताप के ताए हुए दिन' किसका काव्य संग्रह है?

(छ) नागार्जुन बहुत दिनों के बाद किस 'तान' को सुनते हैं?

(ज) 'फैंटेसी' का अर्थ बताइये।

(झ) 'हरी घास पर क्षणभर' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ञ) 'यामा' काव्य कृति किसकी रचना है?

(ट) 'यशोधरा' कविता का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(ठ) धूमिल की 'रोटी और संसद' कविता में तीसरा आदमी कौन है?

———